Kinn, gr. γένυς, lat. *gena*, nisi pertinent ad हनु, quod ipsum cum गण्ड cognatum esse possit, mutatâ gutturali mediâ in aspiratam mediam ejusdem organi.)

गत (r. गम् s. त, gr. 616.) 1) qui ivit, abiit. 2) *n.* incessus. Ur. 66. 6.

गतव्यथ (profectum moerorem habens. *Bah.* e praec. et व्यथा *f.* moeror, sollicitudo) moeroris, sollicitudinis expers. In. 1. 23. Su. 4. 1.

गतसञ्ज्ञ (profectam mentem, profectam conscientiam habens. *Bah.* e गत et सञ्ज्ञा conscientia, intellectus) mentis non compos. In. 5. 21.

गतासु (profectos spiritus, profectam vitam habens. *Bah.* e गत et असु q.v.) exanimis, mortuus. Bh. 2. 11.

गति *f.* (r. गम् ire, s. ति, gr. 616.) 1) itio, itus, iter. Br. 1. 35. 2. 22. Bh. 4. 17. 6. 45. 8. 26. 2) perfugium, refugium. Br. 1. 25. (Hib. *gaeth* ventus, v. सदागति, सततग.)

गत्य (r. गम् s. य) v. gr. 637.

गत्वा (a r. गम् s. त्वा) v. gr. 632. 616.

1. गद् 1. *P.* dicere, loqui. N. 15. 9.: श्लोकम् एकञ् जगाद; Dr. 9. 10.: हेतुम् मे गदतः शृणु. (Cf. कथ्; lith. *gádijos* appellor, v. gr. comp. 476. 506.; *z'adas* lingua, oratio, *z'odis* verbum (*), *giedmi* cano, v. गै canere; polon. *gadać* loqui; hib. *gadh* vox.)

c. नि *i. q. simpl.* Hit.: एवम् अस्तु इति निगद्य; Ragh. 2. 33.: भूपालसिंहन् निजगाद सिंहः; 11. 70.: राघवो ... निजगदे युयुत्सुना; R. Schl. I. 51. 16.: तन् मे निगदतः शृणु.

2. गद् 10. *P.* (मेघशब्दे *K.* अभ्रध्वनौ *V.*) tonare.

गद *m.* (r. गद् s. अ) 1) dictum, sermo. Mah. 1. 1787. 2) (fortasse alius originis) morbus. Ragh. 9. 4. (Hib. *gadh* vox, lith. *z'adas* lingua, oratio.)

गदा *f.* clava. Su. 4. 17.

गदिन् (a praec. s. इन्) claviger. Bh. 11. 17.

गद्गद (r. गद् repet. s. अ, cf. Intens. जागद्) 1) lallans, balbutiens. A. 3. 2.: हर्षगद्गदया वाचा; Bhar. 3. 22. 2) *m.* actio balbutiendi. Bh. 11. 35.: आह कृष्णं सगद्गदम् भीतभीतः प्रणम्य; Ragh. 8. 43.

गन्ध् 10. *A.* (अर्दने *K.* द्रुहि *V.*) vexare, odisse, infestare. (Lith. *gandinu* terreo.)

गन्ध *m.* (fortasse primitive odor malus, a r. गन्ध् s. अ) 1) odor. N. 5. 39. 2) suavis, jucundus odor. In. 5. 2.

गन्धर्व *m.* nomen Geniorum ordinis, qui musicam tractant, in Indri coelo habitantes.

गन्धवह *m.* (e गन्ध et वह vehens) ventus. Am.

गन्धवहा *f.* (e गन्ध et वह vehens in *fem.*) nasus. Am.

गन्धाश्मन् *m.* (e गन्ध et अश्मन् lapis) sulphur. Am.

गभस्ति *m. f.* (ut videtur, e ग pro गो q.v., et भस्ति, a भस् splendere s. ति) luminis radius. Am.

गभस्तिमत् *m.* (a praec. s. मत्) sol. Ragh. 3. 37.

गभीर profundus. Hit. 111. 4., v. गम्भीर.

1. गम् 1. *P.* interdum *A.* (in tempp. spec. substituit गच्छ्, gr. 328., praet. redupl. जगाम, pl. जग्मिम gr. 453., praet. mltf. अगमम् gr. 417., fut. part. गन्तास्मि, fut. aux. गमिष्यामि, part. pass. गत gr. 616., inf. गन्तुम्) 1) ire, adire, abire, proficisci, praeterire, *de tempore, in forma caus.* degere; *c. acc., nonnunquam c. dat. loci.* In. 5. 6.: ललना जगामा 'थ विराजती; Hit.: न नीरं गच्छति स्थले; In. 1. 1.: गतेषु लोकपालेषु; Sa. 5. 27. 32.: निवर्त गच्छस्व; N. 20. 39.: गतज्वर remotam difficultatem habens, liber a difficultate; 16. 30.: गतसत्त्व; *v.* गतव्यथ *etc.*; Hit.: एषाम् मांसैर् मासत्रयं सुखेन गमिष्यति; Ragh. 8. 24.: काश्चिद् गमयित्वा समाः; Su. 4. 20.: पातालम् अगमन् सर्वाः; Dr. 9. 24.: जगाम गङ्गाद्वाराय; Ragh. 2. 15.: निलयाय गन्तुम् प्रचक्रमे. *Pass.* Bh. 5. 5.: यत् साङ्ख्यैः प्राप्यते स्थानन् तद् योगैर् अपि गम्यते. *Nota locutiones*: दोषेण गन्तुङ् कञ्चित् delictum alicui imputare. Mah. 1. 7455.: त्वां लोको दोषेण गच्छति; अश्वैर् गन्तुम् aurigare, equos agere. N. 24. 30. *De locutionibus ut* हर्षङ् गन्तुम्, भयङ् गन्तुम् *v. r.* इ. (Cf. गा, goth. *QVAM* venire, *qvima* venio, *qvam* veni, nostrum *komme, kam*, gr. comp.

(*) De *z'* pro *g* v. s. v. गण्ड.